उद्धार

प्रेरितों के काम 4:12- और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

इब्रानि 5:8,9 – और पुत्र होने पर भी उसने दु:ख उठा-उठाकर आज्ञा माननी सीखी और सिद्ध बनकर, अपने सब आज्ञा मानने वालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया।

यूहन्ना 5:24 – मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

इब्रानि 9:28 – वैसी ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उसकी बाट जोहते है, उनके उद्धार के लिए दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा।

यूहन्ना 3:18– जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता वह दोषी ठहर चुका, इसलिये कि उसने परमेश्वर के इकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया।

रोमियो 12:12– आशा में आनन्दित रहो क्लेश में स्थिर रहो प्रार्थना में नित्य लगे रहो।

लूका 16:10– जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है वह बहुत में भी सच्चा है और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है वह बहुत में भी अधर्मी है। ()

लूका 9:23– उसने सबसे कहा यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे से हो ले।

लूका 6:30,31 (1)- जो कोई तुझसे मांगे उसे दे और जो तेरी वस्तु छीन ले उससे न मांग।

(2) यदि तुम अपने प्रेम रखने वालों के साथ प्रेम रखो तो तुम्हारा क्या बढ़ाई क्योंकि पापी भी अपने प्रेम रखने वालों के साथ प्रेम रखते हैं।

मरकुस 16:15– और उसने उनसे कहा तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि उनके कोई भी सन्तान न थी।

मत्ती 18:5– और जो कोई मेरे नाम से एक ऐसे बालक को ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है।

क्षमा (माफी)

यूहन्ना 1:9–यदि हम अपने पापों को मान ले, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वास योग्य और धर्मी है।

इब्रानि 8:12– क्योंकि मैं उनके अधर्म के विषय में दयावन्त हूंगा और उनके पापों को फिर स्मरण न करुंगा।

इफिसि 4:32– और एक दूसरे पर कृपाल और करुणामय हो और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करों।

यूहन्ना 20:23– जिनके पाप तुम क्षमा करो वे उनके लिये क्षमा किए गये है जिनके लिए तुम रखो, वे रखे गये है।

लूका 17:34– यदि तेरा भाई अपराध करे तो उसे समझा और यदि पछताए तो उसे क्षमा कर। यदि दिर भर में वह सात बार तेरा अपराध करे और सातों बार तेरे पास फिर आकर कहे कि मैं पछताता हूँ तो उसे क्षमा कर।

मत्ती 6:14– इसलिए यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगी।

लूका 13:13,14– तब उसने उस पर हाथ रखा और वह तुरन्त सीधी हो गई और परमेश्वर की बढ़ाई करने लगी। इसलिए कि यीशु सब्त के दिन उसे अच्छा किया था। अराधनालय का सरदार रिसियाकर लोगों से कहने लगा छ: दिन है जिनमें काम करना चाहिए सो उन्ही दिनों में आकर चंगे हो जाओ पर सब्त के दिन नहीं।

यिर्मयाह 29:11–क्योंकि यहोव की यह वाणी है कि जो कल्पनाएँ मैं तुम्हारे विषय में करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ वे हानि की नहीं वरन् कुशल ही की है और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करुंगा।

1 यहून्ना 3:17–पर जिस किसी के पास संसार की सम्पत्ति हो और वह अपने भाई को कंगाल देखकर उस पर तरस खाना न चाहे तो उसमें परमेश्वर का प्रेम क्योंकर बना रह सकता है।

इब्रानियो 12:14– सबसे मेल-मिलाप रखने और उस पवित्रता के खोजी हो जिसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा।

2 तीमुथियुस 2:15– अपने आपको परमेश्वर का ग्रहण योग्य और ऐसा काम करने वाला, ठहराने का प्रयत्न कर जो लज्जित होने न पाए और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो।

फिलिप्पियो 4:8– निदान हे भाइयों जो-जो बातें सत्य है और जो-जो बातें आदरणीय है और जो बाते उचित है और जो बाते पवित्र है

Producted and printed by international Missionary
Outreach Fellowship Inc,
8069 FM 1251, Henderson TX 75652
Living faith International Outreach Center
P.O. Box-13, Bastar Dist.
Jagdalpur (C.G.) 4940001
(India)
email:livingfaithministries63@gmail.com
www.imofinc.org

परमेश्वर का वायदा किताब

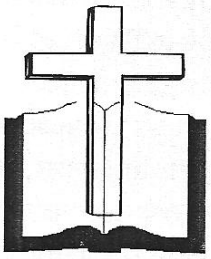

अनुग्रह और शान्ति तुम में बहुतायत से बढ़ती जाए, परमेश्वर के और हमारे प्रभु यीशु की पहचान के द्वारा क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य में सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता हैं, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सदगुण के अनुसार बुलाया है। जिसके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाए दी हैं ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छुटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है। ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओं। *(2 पतरस 1:2,3)*

और जो-जो बाते सुहावनी है और जो-जो बातें मनभावनी है, निदान जो-जो सदगुण और प्रशंसा की बाते है उन्हीं पर ध्यान लगाया करों।

इकिसियो 4:29– कोई गंदी बात तुम्हारे मुंह से न निकले पर आवश्यकता के अनुसार वहीं जो उन्नति के लिए उत्तम हो ताकि उससे सुनने वालों पर अनुग्रह हो।

2 कुरिन्थियो 10:5–सो हम कल्पनाओं को और एक ऊंची बात को जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है खण्डन करते है और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते है।

1 कुरिन्थियो 12:3–5(1)- और यदि मैं अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति कंगालों को खिला दूं या अपनी देह जलाने के लिए दे दूं और प्रेम न रखूं तो मुझे कुछ भी लाभ नहीं।

(2) वह अनरीति नहीं चाहता वह अपनी भलाई नहीं चाहता झुंझलाता नहीं बुरा नहीं मानता।

रोमियो 15:1– निदान हम बलवानों को चाहिए कि निर्बलों की निर्बलताओं को सहे न कि आपको प्रसन्न करें।

मत्ती 6:33– इसलिए पहले तुम उसके राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएगा।

यूहन्ना 3:16– क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करें वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

रोमिया 6:23 – क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु हैं परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।

1. थिस्सलुनी 5:9 – क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिए नहीं, परन्तु इसलिये ठहराया कि हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करें।

2. कुरिन्थि 5:17 – सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बाते बीत गई, देखों वे सब नई हो गई।

प्रकाशित 3:20 – देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करुंगा और वह मेरे साथ।

यूहन्ना 14:6 – यीशु ने उससे कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूँ बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता।

रोमियो 10:9– कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया तो तू निश्चय उद्धार पाएगा।

उत्साहित

यहोशू 1:9– क्या मैंने तुझे आज्ञा नही दी ? हियाव बांधकर दृढ़ हो जा, भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो, क्योंकि जहां-जहाँ तू जायेगा वहाँ-वहाँ तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।

इब्रानियों 13:5–6– तुम्हारा स्वभाव लोभरहित हो, और जो तुम्हारे पास है, उसी पर संतोष करो, क्योंकि उसने आप ही को कहा है, मैं तुझे कभी नहीं छोडूंगा और न कभी तुणे त्यागूंगा। इसलिए हम बेधड़क होकर कहते है, कि प्रभु मेरा सहायक है, मैं न डरुंगा मनुष्य मेरा क्या कर सकता है।

मत्ती 19:26– यीशु ने उनकी ओर देखकर कहा, मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परंतु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

यशायाह 40:31– परंतु जो यहोवा की बाट जोहतें है, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों की नहीं उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और भ्रमित न होंगे, चलेंगे और व्यथित न होंगे।

2 कुरिन्थियो 4:17– क्योंकि हमारा पलभर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता है।

फिलिप्पियो 4:19– और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घड़ी को पूरा करेगा।

1. कुरिन्थियो 10:4– क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं पर गढ़ों को ढा देने के लिए परमेश्वर के द्वारा सामर्थी है।

यूहन्ना 16:33 – मैने ये बाते, तुमसे इसलिए कहीं है कि तुम्हें मुझमें शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढस बांधकर मैने संसार को जीत लिया है।

भजन संहिता 34:19 – धर्मी पर बहुत सी विपत्तियाँ पड़ती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सबसे मुक्त करता है।

प्रकाशित वाक्य 3:21– जो जय पाए मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाएगा। जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया।

प्रकाशित वाक्य 2:26 – जो जय पाए और मेरे कामों के अनुसार अन्त तक करता रहे, मै उसे जाति-जाति के लोगों पर अधिकार दूंगा।

चंगाई

यशायाह 53:5– परन्तु वह हमोर ही अपराधों के कारण घायल किया गया वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाए।

1 पतरस 2:25– क्योंकि तुम पहले भटकी हुई भेड़ों की नहीं थे पर अब अपने प्राणों के रखने वाले और अध्यक्ष के पास फिर आ गये हो।

भजनसहिता 103:2,3– हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह और जो कुछ मुझ में है वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे। वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता है, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है।

प्रेरितों के काम 10:38–कि परमेश्वर ने किस रीति में यीशु नासरी को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया वह भलाई करता और सबको जो शैतान के सताए हुए थे, अच्छा किस क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था।

लूका 8:48– उसने उससे कहा बेटी तेरा विश्वास ने तुझे चंगा किया है। कुशलता से चली जा।

मार्क 11:24– इसलिए मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके मागो तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया और तुम्हारे लिए हो जाएगा।

याकूब 5:14–15 (1) -यदि तुममे कोई रोगी हो तो कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मल कर उसके लिए प्रार्थना करे।

(2) और विश्वास की प्रार्थना के द्वारा रोगी बच जाएगा और प्रभु उसको उठाकर खड़ा करेगा, और यदि उसने पाप भी किए हो तो वह भी क्षमा हो जाएगा।

लूका 9:1–2 (1)- फिर उसने बारहों को बुलाकर उन्हें सब दुष्ट आत्माओं और बीमारियों को दूर करने का सामर्थ्य और अधिकार दिया।

(2) और उन्हें परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने और बीमारों को अच्छा करने के लिए भेजा।

यूहन्ना 14:12– मेरी आशा यह है कि जैसा मैने तुम पर प्रेम रखा वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो।

नीतिवचन 3:7,8 (1)- अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न होना यहोवा का भय मानना और बुराई से अलग रहना।

(2) ऐसा करने से तेरा शरीर भला चंगा और तेरी हड्डियां पुष्ट रहेगी।

मसीह जीवन

यूहन्ना 13:34–35 (1)-मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूँ कि एक दूसरे से प्रेम रखो जैसा मैंने तुझसे प्रेम रखा है वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो।
(2) यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानोगे कि तुम मेरे चेले हो।

याकूब 4:17– इसलिए जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता उसके लिए यह पाप है।

2 पतरस 2:12– पर ये लोग निर्बुद्धि पशुओं ही के तुल्य है जो पकड़े जाने पर नाश होने के लिए उत्पन्न हुए है और जिन बातों को जानते ही नहीं उनके विषय में औरों को बुरा भला कहते है वे अपनी सड़ाहट में आप ही सड़ जायेंगे।

1 पतरस 2:12– अन्य जातियों में तुम्हारा चाल-चलन भला हो इसलिए कि जिन-जिन बातों में वे तुम्हें कुकर्मी जानकर बदनाम करते है वे तुम्हारे भले कामों को देखकर उन्हीं के कारण कृपा दृष्टि के दिन परमेश्वर की महिमा करें।

मत्ती 5:44– परन्तु मै तुमसे यह कहता हूँ कि अपने बैरियों से प्रेम रखो और अपने सताने वाले के लिए प्रार्थना करों।

मार्क 11:25,26– और जब कभी तुम खड़े हुए प्रार्थना करते हो तो यदि तुम्हारे मन में किसी की ओर से कुछ विरोध हो तो क्षमा करो इसलिए कि तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा करें। और यदि तुम क्षमा न करो तो तुम्हारा पिता भी जो स्वार्थ में है, तुम्हारा अपराध क्षम न करेगा।

यशायाह 43:25– मैं वही हूँ जो अपने नाम के निमित्त तेरे अपराधों को मिटा देता हूँ और तेरे पापों को स्मरण न करुंगा।

यशायाह 44:22– मैं न तेरे अपराधों को काली घटा के समान और तेरे पापों को बादल के समान मिटा दिया है, मेरी और फिर लौट आ क्योंकि मैने तुझे छुड़ा लिया है।

मत्ती 26:28 – क्योंकि यह बच्चा का मेरा वह लहु है जो बहुतों के लिये पापों की क्षमा के निमित्त बहाया जाता है।

इतिहास 7:14 – तब यदि मेरी प्रजा के लोग जो मेरे कहलतो है दिन होकर प्रार्थना करें और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपनी बुरी चाल से फिरे तो मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करुंगा और उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूंगा।

जयवन्त

यूहन्ना 5:4,5– क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है।

संसार पर जय पाने वाला कौन है ? केवल वह जिसका यह विश्वास है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

लूका – 10:19 – देखो, मैंने तुम्हें सांपो और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है, और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।

यूहन्ना 4:4 – हे बालको तुम परमेश्वर के हो, और तुमने उन पर जय पाई है, क्योंकि जो तुम में है वह उससे जो संसार में है, बड़ा है।

रोमियो 8:37 –परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हमसे प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर है।

कुरिन्थियों 2:14 – परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो मसीह में सदा हमको जय के उत्सव में लिय फिरता है और अपने ज्ञाप की सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।

गलतियो 6:9– हम भले काम करने में हियाव न छोड़े, क्योंकि हम ढीले न हो, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे।

2 कुरिन्थियो 9:8– और परमेश्वर सब प्रकार का अनुग्रह तुम्हें बहुतायत से दे सकता है जिससे हर बात में हर समय, सब कुछ जो तुम्हें आवश्यक हो, तुम्हारे पास रहे और हर एक भले काम के लिए तुम्हारे पास बहुत कुछ हों।

यशायाह 41:10– मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर-उधर मत ताक क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मैं तुझे दृढ़ करुंगा और तेरी सहायता करुंगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे सम्भालें रहुंगा।

1 कुरिन्थियो 15:58– सो है मेरे प्रिय भाइयों, दृढ़ अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।

रोमियो 8:28– और हम जानते है कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते है, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है। अर्थात उन्हीं के लिये उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए है।